

# Inhalt

|   |                                                            |     |
|---|------------------------------------------------------------|-----|
| 1 | Kindheit und Jugend                                        | 6   |
|   | <i>Wia r a nu gaunz jung woa</i>                           | 7   |
| 2 | Beginn des Wirkens                                         | 22  |
|   | <i>Wia r a angfaugnd hod zaang, wea r a is</i>             | 23  |
| 3 | Die Bergpredigt                                            | 46  |
|   | <i>Wia r a si oom aum Berg ausgschüdad hod</i>             | 47  |
| 4 | Die Gleichnisreden                                         | 64  |
|   | <i>Wia r a eana mi n Schmää d Wa'ln fiarigricht hod</i>    | 65  |
| 5 | Jesus in Galiläa                                           | 78  |
|   | <i>Wos a dahaam in Galiläa aufgiad hod</i>                 | 79  |
| 6 | Wanderungen außerhalb von Galiläa                          | 108 |
|   | <i>Wos a in d entan Grind driim driim hod</i>              | 109 |
| 7 | Das Wirken in Jerusalem                                    | 144 |
|   | <i>Wia r a noch Jerusalem kuman is</i>                     | 145 |
| 8 | Das letzte Osterfest                                       | 174 |
|   | <i>D lezdn Osdan</i>                                       | 175 |
| 9 | Passion und Auferstehung                                   | 186 |
|   | <i>Wia s eam haamdraan und wia r a wida lewentich wiad</i> | 187 |
|   | Kleines Dialektlexikon                                     | 209 |
|   | Inhaltsverzeichnis                                         | 231 |